<u>प्रेस-विज्ञप्ति</u>

पुष्पगुच्छ की परंपरा को तोड़ते हुए पौध देकर अतिथियों का हुआ स्वागत

प्रशासक श्री प्रफुल पटेल जी के मार्गदर्शन में दीव के विविध विद्यालयों में 'प्रवेश-उत्सव' का हुआ आयोजन

प्रशासक के सलाहकार एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी इस उत्सव में हुए शामिल, बच्चों का बढ़ाया मनोबल

दीव 18 जून, 2019: आज दीव जिले में विविध प्राथमिक विद्यालयों में 'शाला प्रवेशोत्सव' का भव्य आयोजन हुआ। इस उत्सव में प्रशासक के सलाहकार श्री एस.एस. यादव ने सरकारी प्राथमिक शाला, दीव में पहली बार विद्यालय का रूख करने वाले नौनिहालों को प्रवेश दिलाया। इस अवसर पर दीव के साथ गांधीपारा के प्राथमिक शाला में प्रवेश पाने वाले बच्चे भी शामिल हुए। शिक्षा की दिशा में किसी भी बच्चे के जीवन में यह पहला अवसर आता है जब वह पहली बार विद्यालय का रूख करते हैं। इस अवसर को स्मरणीय बनाने की दिशा में दमण-दीव के माननीय प्रशासक महोदय के मार्गदर्शन में गत दो वर्षों से शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन किया जाता है। इसका मूल उद्देश्य समाज को शिक्षा के मार्ग पर प्रशस्त कर उन्हें जागरूक करना और शिक्षित बनाना है।

इस क्रम में आज श्री यादव ने दीव और गांधीपारा के बच्चों को तिलक लगाकर उनका स्वागत किया और उन्हें जीवन के इस महापर्व में शामिल होने के लिए बधाइयां दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में कदम रखते हुए पहली दफा विद्यालय के प्रांगण में कदम रखना जीवन का एक अति-महत्वपूर्ण क्षण है। बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों को भी बच्चों के उत्तम भविष्य के लिए सलाहकार महोदय ने कामना की। उन्होंने बच्चों को कैप पहनाकर उनके उत्तम जीवन के लिए शुभाशिष दिये। उन्होंने कहा कि इन्हीं बच्चों में कोई भारतीय प्रशासनिक सेवा का अधिकारी बनेगा तो कोई इंजीनियर, डॉक्टर बनेगा। हमारा दायित्व उनकी योग्यता और झुकाव को ध्यान में रखकर उन्हें आगे की ओर अग्रसर बनाना है ताकि वे देश के निर्माण में अपना योगदान दे सकें।

पुन: संघ प्रदेश के मुख्य वन संरक्षक श्री के. रविचंद्रन ने बुचरवाडा स्थित प्राथमिक विद्यालय में बुचरवाडा, पटेलवाडी, जोलावाडी एवं दगाची के नव-प्रवेशित बच्चों को तिलक लगाकर उनके उज्ज्वल जीवन की कामना की। प्रदेश की शिक्षा सचिव सुश्री मुथम्मा ने वणांकबारा में नये प्रवेशार्थियों को विद्यालय में प्रवेश करवाया और उनके उन्नत जीवन की कामना की। दादरा नगर हवेली के समाहर्ता और ऊर्जा सचिव श्री कनन गोपीनाथन ने घोघला स्थित सरकारी प्राथमिक शाला में बच्चों का हौसला आफजाई किया।

इसी क्रम में दीव समाहर्ता श्री हेमन्त कुमार ने नागोवा स्थित सरकारी प्राथमिक विद्यालय में नये प्रवेश लेने वाले बच्चों और उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। बच्चों के साथ-साथ उन्होंने माता-पिता को भी शिक्षित समाज के निर्माण के लिए अनिवार्य घटक बताया। दीव के एस.पी. श्री हरेश्वर स्वामी ने साउदवाडी के सरकारी प्राथमिक शाला में नवागंतुक बच्चों को प्रवेश दिलाया और उनका मनोबल बढाया। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ-साथ उनके माता-पिता के लिए भी यह दिन एक यादगार दिन के रूप में उन्हें जीवनभर याद रहेगा।

दीव की मुख्य अधिकारी श्रीमती वंदना राव ने 'शाला-प्रवेशोत्सव' की बहुत सराहना की। उन्होंने इसे प्रशासन की एक नायाब उपलब्धी बताया। आज फुदम के सरकारी प्राथमिक विद्यालय में फुदम, मलाला और केवडी के बच्चों को शाला में प्रवेश के दौरान उन्होंने बताया कि बच्चे देश के भविष्य हैं। यह दिन बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए अविस्मरणीय लम्हा है। इसी क्रम में दीव उप-समाहर्ता डॉ. अपूर्व शर्मा ने वणांकबारा के दो विद्यालयों के नव-प्रवेशित बच्चों को प्रवेश दिलाया। उन्होंने उत्साहपूर्वक बच्चों को तिलक लगाकर उनका स्वागत किया और उन्हें आशीर्वाद प्रदान किये।

इस शाला-प्रवेशोत्सव का मुख्य आकर्षण सभी अतिथियों के स्वागत की नवीन परंपरा का श्रीगणेश रहा। अमुमन पुष्पगुच्छ देकर अतिथियों के स्वागत की परंपरा रही है। इस बार अतिथियों को पौध देकर और तिलक लगाकर उनका स्वागत किया गया। पुन: पौध को उसी प्रांगण में लगाया गया ताकि हम प्रकृति के सानिध्य की महत्ता को समझ सकें। इस अवसर पर सभी उत्वस केन्द्रों पर स्कूली बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। नव-प्रवेशित बच्चों की हौसला-आफजाई के लिए उन्हें 'यूनीफॉर्म' के साथ-साथ 'एज्यूकेशन-किट' और 'फ्रूट-किट' भी दिये गये। 'एज्यूकेशन-किट' में स्कूल-बैग के साथ लेखन-सामग्री और वाटर-बोतल दिये गये।

इस महापर्व के अवसर पर पांचवीं से बारहवी कक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं को बैट और बैडमिंटन रैकट प्रदान कर उन्हें पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं को भी पुरस्कार से नवाजा गया । संघप्रदेश के माननीय प्रशासक श्री प्रफुल पटेल जी आरंभ से ही प्रदेश की शिक्षा के साथ-साथ खेल-भावना को सुदृढ़ एवं संबल बनाने के लिए कटिबद्ध हैं। उनके मार्गदर्शन में ही इन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सभी अतिथियों ने एक सुर में कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष नामांकन बढ़ा है और इसका श्रेय दीव के शिक्षकों को भी जाता है जिन्होंने लगन और परिश्रम के माध्यम से इस जिले में शिक्षा की नवज्योत जलाने का कार्य किया है। ध्यातव्य है कि इस वर्ष विगत वर्षों की तुलना में नामांकन तो ज्यादा हुए ही हैं साथ ही ड्रॉप-आऊट की संख्या भी कम हुई है। प्रशासन ड्रॉप-आऊट की संख्या को नगण्य करने की दिशा में प्रयासरत है। इसके लिए शिक्षा निदेशालय द्वारा जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। अतिथियों ने इस अवसर पर बच्चों, माता-पिता और अतिथियों को प्रदान किये गये भोजन के गुणवत्ता की सराहना की और बताया कि भोजन की गुणवत्ता का स्तर इसी प्रकार बनाये रखा जाना चाहिए।